गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में दो दिवसीय राष्ट्रीय वाद–विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न

पंतनगर। 24 जनवरी, 2010। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय की स्वर्ण जयंती के अवसर पर हो रहे युवा महोत्सव के अंतर्गत 'सामाजिक उद्यमिता राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में युवा बेरोजगारी का सर्वोत्त्म उपाय है' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय अंर्तविष्वविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिता में 14 विष्वविद्यालयों ने प्रतिभाग किया जिसमें बनारस हिन्दू विष्वविद्यालय ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

विवेकानन्द स्वाध्याय मण्डल और सांस्कृतिक चेतना परिषद् द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में देवी अहिल्या विष्वविद्यालय उपविजेता रहे। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय की विभूति बहुगुणा ने प्रथम, बनारस हिन्दु विष्वविद्यालय के राम प्रकाष शर्मा ने द्वितीय और देवी अहिल्या विष्वविद्यालय के हितेष बेहरानी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट की अध्यक्षता में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रवि शर्मा ने सभी को कार्यक्रम की बधाई दी। श्री बलराज पासी, अध्यक्ष बीज प्रमाणीकरण, जी.के. सिंह, अधिष्ठाता पषुचिकित्सा विष्वविद्यालय विषिष्ट अतिथियों के रुप में उपस्थित थे।

श्री बलराज पासी ने युवा 2010 जैसे अन्य प्रेरित और प्रोत्साहित कार्यक्रमों का आह्वान किया। कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने अपने वक्तव्य में सामाजिक उद्यमियों के निर्माण की बात कही। इससे पूर्व 23 जनवरी को कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट और सुलभ इण्टरनेषनल के कार्यकारी अध्यक्ष डा. एम.पी. सिंह ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। विष्वविद्यालय के वाद–विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। विष्वविद्यालय वाद–विवाद प्रतियोगिताओं में लगातार अच्छा प्रदर्षन कर रहा है।

निदेषक संचार, डा.बी. कुमार ने सभी प्रतिभागियों को वक्तव्य के गुण बताए और अधिष्ठाता पषुचिकित्सा महाविद्यालय, डा. जी.के. सिंह ने विवेकानन्द स्वाध्याय मण्डल के सदस्यों को सराहा और सामाजिक उद्यम को युवाओं का क्षेत्र बताया।

समूह वर्ग में प्रथम पुरस्कार ग्रहण करते इन्दौर के विद्यार्थी

अतिथियों के विचारो को श्रवण करते विद्यार्थीगण